www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 83 | जौनपुर गुरूवार, 06 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सीबीआई ने डीआईजी के सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार पंजाब पुलिस के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में मंगलवार को पटियाला और लुधियाना में सात परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने आरोप लगाया है कि ये परिसर ऐसे लोगों से जुड़े हैं, जिन पर भुल्लर की अवैध कमाई को अचल संपत्तियों और संबंधित व्यावसायिक उपक्रमों में निवेश करने के लिए बेनामीदार या सहयोगी के रूप में काम करने का संदेह है। लुधियाना में बाउकर गुजरां, कलास खुर्द, गोबिंद नगर, सरगोधा कॉलोनी और सैंसोवाल कलां गांवों तथा पटियाला में लोअर मॉल स्थित न्यू मोती बाग कॉलोनी और सीरा कॉम्प्लेक्स में तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान सीबीआई ने लगभग 20.5 लाख रुपये नकद, एक एप्पल लैपटॉप सहित डिजिटल उपकरण, दो मोबाइल फोन और सीसीटीवी फुटेज का डीवीआर जब्त किया। रिश्वतखोरी के एक मामले में पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके भुल्लर के खिलाफ सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। रिश्वतखोरी के मामले में सीबीआई जांच के दौरान भुल्लर के आवास से जब्त नकदी और दस्तावेजों से पता चला।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सशस्त्र बलों ने सीखे हैं कई सबक– सीडीएस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सशस्त्र बलों ने ''कई सबक सीखे हैं'' और इन्हें नियोजित ''थिएटराइजेशन'' मॉडल में शामिल करने की जरूरत है। रक्षा क्षेत्र के थिंक टैंक ''भारत शक्ति'' द्वारा आयोजित 'इंडिया डिफेंस कॉन्क्लेव 2025' में एक संवाद सत्र के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि मई में निर्णायक सैन्य अभियान के बाद, हमारे पास पाकिस्तान के कोने–कोने में आईएसआर (खुफिया, निगरानी और टोही) और युद्धक क्षमताएं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यही नयी सामान्य बात होगी। उनसे पूछा गया था कि सरकार द्वारा भारतीय सेना के लिए घोषित 'न्यू नॉर्मल' का क्या अर्थ है। उन्होंने कहा, सशस्त्र बलों के लिए, यह हमारे लिए भी नयी सामान्य स्थिति में तब्दील होनी चाहिए। इसका मतलब होगा चौबीसों घंटे बेहतर अभियानगत तैयारी, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है। हमें अपनी वायु रक्षा, मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस) से निपटने और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में बेहतर तैयारी करनी चाहिए। यह नयी सामान्य स्थिति होनी चाहिए क्योंकि हम इसी तरह के युद्ध की उम्मीद कर रहे हैं। जनरल चौहान ने जोर दिया कि तकनीकी रूप से, हमें दुश्मन से आगे रहना होगा। उन्होंने ज्यादा विस्तार से कुछ बताए बिना कहा, पिछली बार हमने सिर्फ स्थिर लक्ष्यों को निशाना बनाया था, ।

गरीबों की जमीन कब्जाने वालों को लेने के देने पड़ेंगे : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। बुधवार को उन्होंने कहा, जो गरीबों, सार्वजनिक और सरकारी जमीन पर कब्जा करेगा। उसको लेने के देने पड़ ही जाएंगे। यह उनके लिए साफ संदेश है जो सत्ता में रहते माफिया को गले लगाते हैं और मरने के बाद उसकी कब्र पर फातिहा पढ़ने जाते हैं। माफिया किसी का नहीं होता है। जो संरक्षण देते हैं वह समझ लें कि अब उत्तर प्रदेश में माफिया राज नहीं चलेगा। कांग्रेस और सपा के शासन में कुकरैल और गोमती के किनारे कब्जा कराया गया। मॉल बनाए गए। सीएम योगी ने कहा, 2017 में प्रदेश की जिम्मेदारी संभालने के बाद माफिया पर शिकंजा कसना शुरू किया तो ऐसे–ऐसे लोग पैराकारी में उतर आए जो जनता का हितैषी होने की बात करते हैं, उनसे कहूंगा कि वह ऐसा करके अपने पैरों पर कल्हाड़ी मार रहे हैं। जो बहन बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करेगा। गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा। व्यापारियों का अपहरण करेगा। उसका यही हाल होगा। माफिया उखड़ेगा नहीं बल्कि

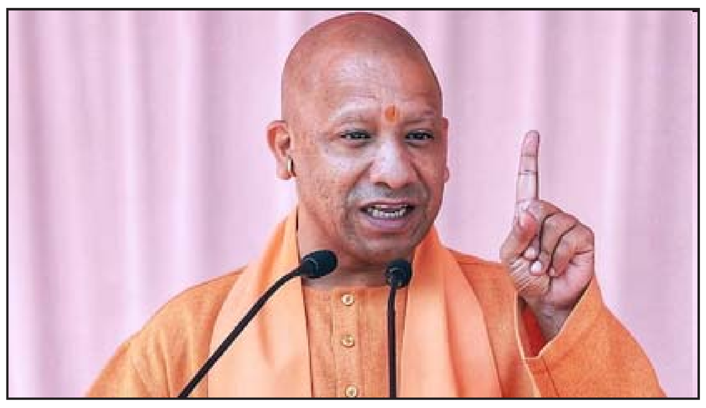

उसको उखाड़ना होगा। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, बृजलाल, संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत कई जनप्रतिनिधि व लखनऊ विकास प्राधिकरण से जुड़े अधिकारीगण मौजूद रहे। सीएम योगी ने आवंटियों को भरोसा दिया कि उनका यह आवास प्रधानमंत्री आवास योजना में कवर हो जाएगा तो और सस्ता हो जाएगा। अभी आवास 10.70 लाख रुपये का पड़ा है। पीएम आवास योजना में ढाई लाख की सब्सिडी मिलती है जो इस योजना में आवंटियों को नहीं मिली है। उन्होंने यह भी कहा जिस प्राइम लोकेशन में यह फ्लैट है वहां इसकी कीमत आने वाले समय में एक करोड़ होगी। सीएम योगी ने कहा, 2017 से तय किया था कि यूपी की नकारात्मक छवि बदलेंगे। अपराधी–अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू करेंगे। साढ़े आठ वर्षों में बिना रुके, बिना झुके माफिया पर कार्रवाई की। माफिया संविधान का अपमान करते, कानून का मजाक उड़ाते, अधिकारी भी उनके सामने झुक जाते थे। यही नहीं पूर्व सरकारें भी ऐसे माफिया के सामने घुटने टेकती थीं। उन्होंने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण, बुंदेलखंड क्षेत्र और हर जगह माफिया हावी थे, ।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों को 'क्यूएस' रैंकिंग में सफलता पर दी बधाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों को विश्व–प्रतिष्ठित क्यूएस (क्यूएस) रैंकिंग प्रणाली में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार, इस वर्ष जारी क्यूएस रैंकिंग में प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों ने एशिया और दक्षिण एशिया श्रेणी में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय को क्यूएस एशिया रैंकिंग में 781–790 तथा दक्षिण एशिया रैंकिंग में 244वां स्थान मिला है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ और बाबा भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ को एशिया रैंकिंग में 801–850 तथा दक्षिण एशिया रैंकिंग में 254वां स्थान प्राप्त हुआ। झांसी के बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, रुहेलखंड के महात्मा ज्योतिबा फुले विश्वविद्यालय और कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय को एशिया रैंकिंग में 901–950 तथा दक्षिण एशिया रैंकिंग में 297वां स्थान मिला।

गोरखपुर के दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय को एशिया रैंकिंग में 1001–1100 और दक्षिण एशिया रैंकिंग में 330वां स्थान मिला। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को एशिया रैंकिंग में 1201–1300 और दक्षिण एशिया रैंकिंग में 397वां स्थान प्राप्त हुआ। कई अन्य विश्वविद्यालयों ने भी उपलब्धि हासिल की है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधकर्ताओं, अधिकारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक परिश्रम, शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान प्रतिबद्धता, और नवाचारोन्मुख दृष्टिकोण का परिणाम है।

पीएम करेंगे गुवाहाटी एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही असम के दो बड़े विकास प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ करने वाले हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उन्हें राज्य में नए विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास करने का आमंत्रण दिया। मुलाकात करीब 20 मिनट तक चली। इस दौरान सरमा ने प्रधानमंत्री को गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के उद्घाटन और 10601 करोड़ रुपये की अमोनिया–यूरिया खाद फैक्ट्री की आधारशिला रखने के

लिए आमंत्रित किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री का असम दौरा जल्द ही तय किया जाएगा। यह दौरा राज्य के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है क्योंकि इन परियोजनाओं से उत्तर–पूर्व भारत के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा असम के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक और बड़ा मील का पत्थर साबित होगी। गुवाहाटी के एलजीबीआई एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल तैयार है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। यह टर्मिनल पूर्वोत्तर भारत की हवाई कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा और गुवाहाटी को क्षेत्र का प्रमुख विमानन केंद्र बना देगा। यह अत्याधुनिक टर्मिनल सालाना 1.3 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभालने की क्षमता रखेगा, जिससे क्षेत्र में एयर ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम होगा। इस परियोजना से न केवल यात्री सेवाओं में सुधार होगा बल्कि पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के दौरान नामरूप अमोनिया–यूरिया कॉम्प्लेक्स की आधारशिला भी रखेंगे। यह 10,601 करोड़ रुपये की परियोजना पूरी तरह से 'ब्राउनफील्ड' प्रोजेक्ट है,।

एकजुट विपक्ष को भी तीन अंकों में नहीं मिलेगी सीट – दिनेश शर्मा

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा नेता दिनेश शर्मा ने बिहार चुनाव में एनडीए की एकतरफा जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा तथ्य है कि यूपीए सरकार के दौरान बिहार का विकास पूरी तरह से ठप हो गया था। भाजपा सांसद ने कहा कि यूपीए के काल में आवंटित कुल राशि लगभग 2 लाख करोड़ रुपए थी, जिसमें वेतन और कई अन्य चीजें शामिल थीं। अगर आप सब कुछ एक साथ गिनें तो आप देखेंगे कि उस अवधि के दौरान बिहार के वास्तविक विकास के लिए कुछ भी ठोस नहीं किया गया। ज़्यादा जानें हिंदी पत्रकारिता कार्यशाला यात्रा पैकेज बिहार युवा समाचार मंच युवा विशेष सामग्री समाचार पत्र बॉलीवुड समाचार अलर्ट बॉलीवुड न्यूज खेल समाचार सदस्यता कानून रिपोर्ट

सदस्यता बोले–राजद की दुर्गति होने वाली है ज़्यादा जानें क्षेत्रीय समाचार ऐप राजनीतिक कमेंट्री सेवा राज्य–विशिष्ट समाचार पैकेज अर्थजगत विशेष मनोरंजन समाचार संपादकीय लेखन सेवा शीर्ष रुझान समाचार छत्तीसगढ़ की खबरें चुनावी कवरेज सेवा ब्रेकिंग न्यूज अलर्ट भाजपा सांसद ने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर सभी विपक्षी दल एकजुट भी हो जाएं तो भी उनकी सीटें तीन अंकों से ऊपर नहीं जाएंगी। दो–तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनेगी। जो लोग बिहार बदलने का दावा करते हैं, उन्हें देखना चाहिए कि अब तक कितनी प्रगति हो चुकी है। आज हमारी बहनें और बेटियां सड़कों पर आजादी से घूम सकती हैं और अपराध दर में लगातार कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि मेट्रो से लेकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों तक और एक्सप्रेसवे से लेकर चौड़ी चार लेन वाली सड़कों तक, बिहार तेजी से बदल रहा है। 6 लोग अब भी लापता भाजपा नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री विकास के प्रतीक हैं और बिहार में श्मोदी लहरश है, इसीलिए सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को राज्य में बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल को लेकर भाजपा सांसद ने कहा कि बंगाल में जंगल राज है और जैसे दीये की लौ बुझने से पहले भड़कती है, वैसे ही तृणमूल सरकार का शासन भी अपने अंत के करीब है। जैसे–जैसे उनका शासन खत्म हो रहा है, ।

तेज आर्थिक विकास के लिए सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण महत्वपूर्ण है : मनोज सिन्हा

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेज आर्थिक विकास के लिए सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण अत्यंत जरूरी है। उपराज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक परंपराओं, कलाओं, शिल्पों और रीति–रिवाजों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में सांस्कृतिक–आध्यात्मिक कार्यक्रम और कौशल विकास में सक्रिय भागीदारी एक माध्यम बन सकती है। जम्मू जिले के मढ़ उप–मंडल में वार्षिक झिड़ी मेले के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे उपराज्यपाल ने कहा कि जवाबदेही को बढ़ावा देने, सेवा वितरण में सुधार लाने और नागरिकों की जरूरतों को समझने और उसके

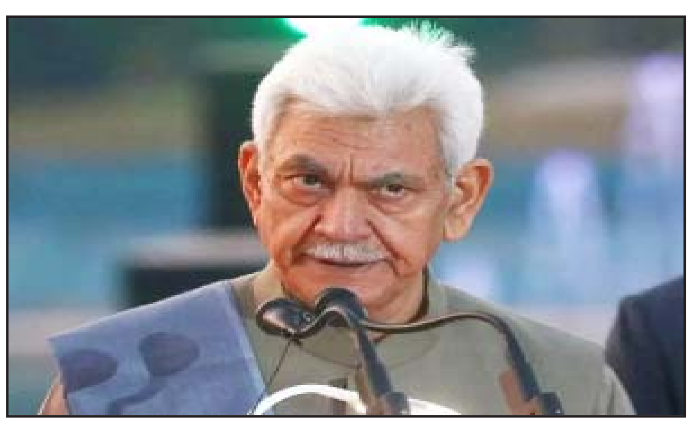

अनुसार नई नीतियां बनाने के लिए अधिक समावेशी और पारदर्शी शासन को बढ़ावा देने के लिए शासन में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कल्याणकारी योजनाओं की फाइलों में देरी करने का लगाया आरोप इस दौरान उपराज्यपाल ने बाबा जित्तो और बुआ कोड़ी को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा जित्तो सांप्रदायिक भेदभाव से ऊपर उठकर जन कल्याण के एक सार्वभौमिक प्रतीक हैं। उनके सत्य, अहिंसा और भाईचारे के मूल्य समाज को मजबूत करते हैं और झिड़ी मेले को बहुसंस्कृतिवाद और सामाजिक सद्भाव का उत्सव बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा जित्तो को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर किसान तक पहुंचे। इसके साथ ही उपराज्यपाल ने लोगों से निस्वार्थ सेवा का मार्ग अपनाने और बाबा जित्तो के सपनों के न्यायपूर्ण और समतापूर्ण समाज के निर्माण के लिए काम करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और व्यापारियों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

सेना को राजनीति में मत घसीटो, राजनाथ सिंह की राहुल गांधी को दो टूक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान की कड़ी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत का 10 परसेंट हिस्सा आर्मी को कंट्रोल करता है। सिंह ने कांग्रेस नेता पर सशस्त्र बलों को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि आर्मी का कोई धर्म या जाती नहीं होती। बिहार में कल विधानसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग से पहले चुनाव प्रचार करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, राहुल गांधी डिफेंस फोर्सेज में रिजर्वेशन की मांग करके अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने गांधी पर आर्मी को पॉलिटिक्स में घसीटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने उन टिप्पणियों की आलोचना की जिन्हें सशस्त्र बलों में अलग–अलग कम्युनिटीज के लिए कोटा की मांग के तौर पर देखा गया था। मिलिट्री कोड ऑफ कंडक्ट का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया, रिजर्वेशन होना चाहिए। हम रिजर्वेशन के समर्थक हैं... हमने गरीबों को दिया

है। लेकिन आर्मी? हमारे सैनिकों का सिर्फ एक ही धर्म है, सैन्य धर्म। इसके अलावा कोई दूसरा धर्म नहीं है। हमारी आर्मी को पॉलिटिक्स में मत घसीटिए। जब भी इस देश पर कोई संकट आया है, हमारे सैनिकों ने बहादुरी दिखाकर भारत का सिर ऊंचा किया है। सिंह ने गांधी पर जाती, संप्रदाय या धर्म के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया और कहा, जाती, संप्रदाय और धर्म की इस राजनीति ने देश को बहुत नुक्सान पहुंचाया है। हमारी सोच है कि सभी वर्गों का उत्थान होना चाहिए। हम भेदभाव नहीं करना चाहते।

बिहार में एनडीए के पक्ष में चल रही एकतरफा लहर : ब्रजेश पाठक

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रचार अभियान के तहत पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने महागठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में एनडीए की सरकार प्रचंड बहुमत से बनने जा रही है। बिहार में अब एकतरफा लहर एनडीए के पक्ष में चल रही है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि महागठबंधन पूरी तरह फ्लॉप शो साबित हो रहा है। जनता ने ठान लिया है कि बिहार में अब जंगलराज नहीं लौटेगा। एनडीए की नीतियों पर जनता का भरोसा है और इस बार विपक्ष

की जमानत जब्त होने जा रही है। ज़्यादा जानें कानून रिपोर्ट सदस्यता राज्य–विशिष्ट समाचार पैकेज खेल समाचार सदस्यता संपादकीय लेखन सेवा बजट 2019 कवरेज ई–पेपर एक्सेस ब्रेकिंग न्यूज अलर्ट संपादकीय विश्लेषण चुनावी कवरेज सेवा मनोरंजन समाचार दिनेश शर्मा ज़्यादा जानें कविता संग्रह युवा समाचार मंच खेल समाचार सदस्यता ई–पेपर सदस्यता योजना यात्रा पैकेज बिहार युवा विशेष सामग्री राजनीति समाचार विश्लेषण विदेश समाचार अर्थजगत विशेष हिंदी पत्रकारिता कार्यशाला वहीं, अभिनेता और भाजपा नेता दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने भी जनसभाओं के दौरान जनता से मिल रहे समर्थन पर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि जहां भी जनसभाएं कीं, हर जगह जनता का प्यार और आशीर्वाद मिला। बिहार की जनता जानती है कि एनडीए सरकार में प्रदेश का विकास हुआ है। विपक्षी दलों ने बिहार को पिछड़ा बनाया था,।

महाराष्ट्र सरकार का अगले साल 30 जून तक किसानों की कर्जमाफी का फैसला अस्वीकार्य – उद्धव ठाकरे

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि कृषि ऋण माफी पर निर्णय के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 30 जून, 2026 की तारीख ''स्वीकार्य नहीं'' है। उद्धव ने बुधवार को यहां एक गांव में किसानों से बातचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अगर सरकार ऋण माफ करने की योजना बना रही है तो क्या किसानों को अपनी किश्तें चुकाना जारी रखना होगा? शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख ने बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर के पैठण तालुका के नांदर गांव से अपने चार दिवसीय मराठवाड़ा दौरे की शुरुआत की, जहां उन्होंने किसानों से बातचीत की। वह दिन में बाद में

पाली (बीड), पाथरुड, शिरसाव (धाराशिव) और घरी (सोलापुर) गांवों का दौरा भी करेंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि कृषि ऋण माफी पर निर्णय अगले वर्ष 30 जून तक लिया जाएगा। फडणवीस ने कहा था कि सबसे पहले यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि किसानों को बाढ़ राहत के लिए मुआवजा मिले और साथ ही रबी की बुवाई की तैयारी भी की जाए। कृषि ऋण माफी पर समयसीमा को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए ठाकरे ने कहा, ''यह तारीख हमें स्वीकार्य नहीं है। हम किसानों को उनके नुकसान के मुआवजे के रूप में प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की मांग कर रहे हैं। किसानों को अब कर्जमाफी की भी जरूरत है। सरकार का कहना है कि वह इस मुद्दे का अध्ययन करना चाहती है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' इससे पहले, मेरी सरकार के दौरान, हमने अध्ययन किया था और उसका विवरण अब भी सरकार के पास है। हमारी सरकार ने तब ऋण माफी की थी।'' उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अब ऋण माफी के लिए 30 जून, 2026 की नयी तारीख दी है। ठाकरे ने सवाल किया, ''यदि अगले वर्ष जून में ऋण माफ होने वाला है तो क्या किसानों को अब अपनी किश्तें चुकानी चाहिए या नहीं? यदि हां, तो किसान यह राशि कैसे देंगे? '' ठाकरे ने मांग की कि किसानों को अब कर्ज माफी दी जानी चाहिए।

संपादकीय

भाजपा-जदयू ने दिखाई चुनावी रंगदारी

बिहार चुनावों में इस बात का अनुमान पहले से था कि जीत हासिल करने के लिए बदजुबानी के नए स्तर कायम होंगे। भाजपा और खासकर नरेन्द्र मोदी इसमें अपना ही बनाया पहले का रिकार्ड तोड़ेंगे। आम चुनाव 2024 में नरेन्द्र मोदी ने जब कहा था कि कांग्रेस वाले आपका मंगलसूत्र चोरी करके ले जाएंगे, तो सब कुछ पता होते हुए भी आश्चर्यमिश्रित दुख हुआ था कि कोई प्रधानमंत्री इस तरह की भाषा कैसे बोल सकता है, ऐसे ऊटपटांग बयान कैसे दे सकता है। लेकिन उस चुनाव में कई बार ऐसे बयान सुनने पड़े। फिर महाराष्ट्र, हरियाणा में यह सिलसिला बढ़ा और अब बिहार चुनाव में जहां इस बार महागठबंधन एनडीए को कड़ी टक्कर दे रहा है, प्रधानमंत्री मोदी कट्टे वाली भाषा पर उतर आए हैं। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री के सलाहकार कौन हैं, कौन उनके भाषण लिखता है या उसे अंतिम रूप देता है या प्रधानमंत्री जनता का मूड देखकर तात्कालिक भाषण देते हैं, लेकिन एक बात तय है कि वे जनता के स्तर को निचला मानकर ही ऐसे भाषण देते हैं। अब की सभ्यता, तहजीब का समाज में बड़ी तेजी से क्षरण हुआ है। इसके लिए अब तक बी ग्रेड की फिल्मों, उपन्यासों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा। ओटीटी प्लेटफार्म के प्रचलन के बाद भाषायी संस्कार पूरी तरह से गुम होने लगे। जिन अपशब्दों को सबके सामने बोलने–कहने में लोग झिझकते थे, उन्हें टीवी पर देखकर आम बोलचाल का हिस्सा बना लिया गया। ऐसे में राजनेताओं की और जो लोग सत्ता में बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी कई गुना ज्यादा बढ़ जाती है कि वे भाषायी शिष्टाचार की न केवल हिफाजत करें, बल्कि उसे बढ़ाएं भी। खुद ऐसी भाषा बोलें कि जनता तक अच्छा संदेश जाए। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने वाले अक्सर अपने बचाव में तर्क देते हैं कि जनता जो देखना–सुनना चाहती है, हम वही दिखाते हैं। लेकिन यह तर्क सत्तारुढ़ नेताओं पर लागू नहीं हो सकता। बल्कि अगर वे ऐसा करें तो उन्हें कटघरे में खड़ा करने की जरूरत है, क्योंकि वे लोकशिक्षण की अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं। बिहार चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री पद लिया है, तो वे अपनी जिम्मेदारी से मुकर रहे हैं।पाठक जानते हैं कि कुछ दिनों पहले ही महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया, जबकि इसके कयास काफी दिनों से लग रहे थे। कौन सा गठबंधन किस तरह आगे बढ़ता है, यह उसका अपना मसला है। विरोधी गठबंधन उस पर सवाल उठा सकता है। लेकिन कट्टे वाली भाषा बोलकर प्रधानमंत्री राजनैतिक शिष्टाचार के एक पायदान और नीचे उतर गए। भाजपा में उनका अनुसरण करने वाले नेता भरे पड़े हैं। इसलिए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने कहा कि राहुल गांधी दुर्भाग्य लेकर आते हैं। वो जहां जाते हैं हार मिलती है। सौभाग्य–दुर्भाग्य की बात करना अंधविश्वास है, जो संवैधानिक भावना के खिलाफ है। वहीं अपने विरोधी के लिए ऐसा कहना भी सर्वथा अनुचित ही है। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के पोखर में कूदकर और मछली पकड़ने पर कहा कि मलेशिया के बीच (समुद्री किनारे) से उनका मन भर गया जो लंगूर की तरह पानी में कूद गए। देश में नेता प्रतिपक्ष को लंगूर बताकर मंत्री महोदय कुछ देर की सुर्खी बटोर सकते हैं, लेकिन आखिर में यह देश की छवि पर दाग लगाता है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव के लिए ऐसे अपशब्दों की भरमार भाजपा नेताओं के पास है, जिनका इस्तेमाल वे अक्सर करते हैं। लेकिन वहीं सवाल उठता है कि क्या ये नेता बिहार की जनता के विवेक को इतना कम करके आंकते हैं कि वह निम्नस्तरीय भाषा सुनकर प्रभावित होगी। क्या अपने विरोधियों को मात देने के लिए कोई नैतिक तरीका या बात भाजपा के पास नहीं बची है। और अब शायद जदयू का भी यही हाल हो गया है। एक वक्त में शरद यादव और नीतीश कुमार के नेतृत्व में जद यू सिद्धांतों की राजनीति करती थी। लेकिन अब केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने मोकामा में कहा कि, श्कुछ लोग हैं, उन्हें चुनाव के दिन घर से बाहर नहीं निकलने देना है। अगर वे ज्यादा गिड़गिड़ाएं तो उन्हें अपने साथ ले जाइए और वोट देने के बाद घर वापस लाकर छोड़ दीजिए। अभी कमान संभालिए। चुनाव के लिए अब समय नहीं बचा है।

सब कुछ मोदी-शाह के प्रबंधन

हरिशंकर व्यास

और आईने में वही है जो लालू, राबड़ी और नीतीश का 45 साला जंगल राज है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डबल इंजन सरकार, विकसित भारत का चाहे जितना शोर बनवाएं वह सब बिहार में धूल है! मैंने 1984 के लोकसभा चुनाव से बिहार को कवर करते करते 45 साल खपा दिए पर यह शाश्वत सत्य यथावत है कि बिहार कभी नहीं बदल सकता और भारत भी नहीं! लालू–राबड़ी को अफसर (जैसे राजबाला वर्मा) चलाते थे वैसे नीतीश कुमार को दीपक कुमार आदि चलाते आए हैं। वैसे ही नरेंद्र मोदी को पीके मिश्रा, डोवाल, जयशंकर आदि अफसर। नीतीश ने खुद को, बिहार को सोशल इंजीनियरिंग में जर्जर बनाया तो नरेंद्र मोदी ने धर्म–जात की डबल इंजीनियरिंग में भारत को जर्जर! पचास सालों से (जेपी आंदोलन के हल्ले से) बिहार में सामाजिक क्रांति देख रहा हूं। मगर उसी अनुपात में समाज पहचान की भूख का नशेड़ी बना रहा है। विकास नाम की चिड़िया कही नहीं है। सब पॉवर, पहचान, गरीबी की तमाम दरिद्रताओं में जी रहे हैं। पचास साल पहले भी दिवाली–छठ पर लोग रेल–बस में कैटल क्लास की तरह आते जाते थे तो इस दफा भी छठ से पहले पूरे देश में बिहार के लोग वैसी ही नियति में सफर करते दिखे।

नरेंद्र मोदी–अमित शाह की उपलब्धि है जो जात के संग धर्म और पैसे की इंजीनियरिंग में भी लोगों को बांध दिया। दिमागी जड़ता में अंधविश्वासों व बाजार की नई धार बनाई। प्रदेश के धंधों–ठेकेदारी में बालू माफिया को छोड़ बाकी क्षेत्रों में अब दक्षिण भारत या गुजराती सेठ ठेकेदार–व्यापारियों का बाजार पर कब्जा है। मुनाफे–भ्रष्टाचार के आयाम क्योंकि भरपूर हैं तो इसकी बदौलत सडकों के जाल, बिजली की सप्लाई और सुरसा जैसी फैली आबादी का बाजार चमचमाता हुआ है। लेकिन न उसमें 'मेड इन बिहार' है और 'न मेड इन भारत' और न लोकल रोजगार! बिहार की खूबी अब शिक्षा (कभी हुआ करती थी), राजनीतिक चेतना नहीं है, बल्कि बेगारी, बेरोजगारी और जातियों के नए–नए झंडारोहण हैं! इस सबसे ऊपर बिहार का वोट की मंडी में कनवर्ट होना है। कभी बिहार बुद्ध से लेकर आजादी के आंदोलन, माओवादी विचारों, समाजवादी विचारों, जेपी आंदोलन, संपूर्ण क्रांति, मंडल क्रांति में दिमागी फितरत लिए होता था। अब वह मंडी है, जिसमें मोदी–नीतीश सरकार ने नकद पैसा बांट कर बिहारियों में नई सियासी बारहखड़ी सिखलाई है। घर–घर नोट के बदले वोट का विमर्श है। मतलब बालू के ठेकेदारों, शराब के ठेकेदारों, जाति–उपजातियों के ठेकेदारों, धर्म के ठेकेदारों के बाद बिहार की नई राजनीति का नाम है दो हजार, पांच हजार, दस हजार रुपए बांट कर पांच साल के लिए वोटों की खरीदारी का पुख्ता दर्शन! तभी मेरा मानना है विधानसभा चुनाव का फैसला जात–पांत की बजाय वोट बाजार से होगा। इस बाजार में न राहुल गांधी की जाति जनगणना का अर्थ है न तेजस्वी–मुकेश सहनी के समीकरणों का और न नीतीश कुमार की सोशल इंजीनियरिंग का। प्रशांत किशोर के कथित जन सुराज का तो खैर रत्ती भर अर्थ नहीं है। सब कुछ मोदी–शाह के प्रबंधन, रेवडियों, नोट और वोट की गणित में होगा! चाहे तो इसे बिहार का विकसित आईना मानें!

तेजस्वी के खिलाफ धारणा की लड़ाई हार रहे हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

कल्याणी शंकर

नवीनतम सी–वोटर सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि वह बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए शीर्ष विकल्प बने हुए हैं। लालू यादव के पुत्र तेजस्वी युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं और उन्होंने मतदाताओं से कई लोकलुभावन वायदे किए हैं। इनमें पेंशन और स्वास्थ्य सेवा जैसे सामाजिक कल्याण लाभों में वृद्धि, साथ ही सरकारी रोजगार अभियानों और छोटे व्यवसायों को समर्थन के माध्यम से रोजगार सृजन पहल शामिल हैं। आगामी 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की उम्मीद है, जिसका सभी संबंधित दलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। जनमत सर्वेक्षण सत्तारूढ़ एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के पक्ष में हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ सत्ता–विरोधी भावनाएं भी प्रबल हैं। भाजपा नेता पहले से ही जीत का दावा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर घोषणा की है कि भाजपा–एनडीए बिहार में व्यापक जीत दर्ज करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि ये सर्वेक्षण पार्टियों और उनके नेताओं को प्रभावित करते हैं। ये नेतृत्व, जातिगत गतिशीलता और मतदाताओं की धारणाओं पर भी निर्भर करते हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाला और कांग्रेस, वाम दलों और छोटे दलों के साथ गठबंधन करने वाला इंडिया ब्लॉक, दो दशकों के एनडीए शासन को समाप्त करना चाहता है। मजबूत नेतृत्व और संगठन के साथ, मतदाताओं का मूड आगे एक उतार–चढ़ाव भरा चुनाव होने का संकेत देता है। स्थानीय विधायकों में असंतोष, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार सृजन की कमी के साथ, सत्तारूढ़ गठबंधन के समर्थन को कमजोर कर रहा है। हालांकि एनडीए को उच्च जातियों और वृद्ध मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है, लेकिन युवाओं और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) समूहों को जोड़ने में इसकी असमर्थता पार्टी के लिए चुनौतियां पेश करती है। चुनाव के नतीजे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के स्टार प्रचारक नेताओं से काफी प्रभावित होते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मतदाताओं, खासकर महिलाओं का भरपूर समर्थन प्राप्त है, जो मुफ्ध्त बिजली, स्वच्छ पानी और एक करोड़ रोजगार सृजित करने की योजना जैसी उनकी पहलों की सराहना करती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 25 लाख महिलाओं की सहायता के लिए एक महिला कल्याण कार्यक्रम के तहत प्रत्येक को 10,000 रुपये आवंटित किए हैं। सी वोटर सर्वेक्षण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता में उतार–चढ़ाव देखा गया, परन्तु उत्तरदाताओं ने उन्हें अपना पसंदीदा मुख्यमंत्री चुना। एक आश्चर्यजनक दावेदार जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर थे, जो 16 प्रतिशत वोटों के साथ एक पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में उभरे। एनडीए का बिहार भर में एक मजबूत नेटवर्क है, जिसमें भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और जनता दल (यूनाइटेड) जद(यू) दोनों के कार्यकर्ता शामिल हैं, साथ ही आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) समूहों का भी समर्थन प्राप्त है। प्रधानमंत्री द्वारा समर्थित हालिया विकास परियोजनाओं ने एनडीए के अभियान को मजबूत करने में मदद की है। भाजपा ने जद(यू) का समर्थन किया और भाजपा के शीर्ष नेता एनडीए के लिए प्रचार कर रहे हैं, और वित्तपोषण कोई समस्या नहीं है। हालांकि, एनडीए स्थानीय स्तर पर संघर्ष कर रहा है, जहां उसे अपने विरोधियों जितनी विश्वसनीयता और जमीनी समर्थन का अभाव है। राजद के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जबकि उनके पास लगभग 30प्रतिशत मुस्लिम–यादव मतदाता हैं। नवीनतम सी–वोटर सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि वह बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए शीर्ष विकल्प बने हुए हैं। लालू

यादव के पुत्र तेजस्वी युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं और उन्होंने मतदाताओं से कई लोकलुभावन वायदे किए हैं। इनमें पेंशन और स्वास्थ्य सेवा जैसे सामाजिक कल्याण लाभों में वृद्धि, साथ ही सरकारी रोजगार अभियानों और छोटे व्यवसायों को समर्थन के माध्यम से रोजगार सृजन पहल शामिल हैं। तेजस्वी राजद का नेतृत्व करते हैं, लेकिन उनके पिता लालू प्रसाद यादव और परिवार के अन्य सदस्यों का अभी भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। पारिवारिक विवाद अक्सर तेजस्वी को पार्टी की रणनीति के बजाय आंतरिक कलह को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर करते हैं। परिवार के कुछ सदस्य कानूनी मुद्दों का सामना कर रहे हैं, जिनमें जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ईडी जांच भी शामिल है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजद के साथ गठबंधन उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं। अब वह कांग्रेस के वफादारों का समर्थन जुटाने के लिए रैलियां और रोड शो करने की योजना बना रहे हैं। उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी राज्य में सक्रिय रूप से प्रचार कर रही हैं। हालांकि, पार्टी को मजबूत स्थानीय नेताओं की कमी के कारण संघर्ष करना पड़ रहा है। कांग्रेस के लगातार खराब प्रदर्शन को गठबंधन में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। 1995 के बिहार विधानसभा चुनावों के बाद से, कांग्रेस किसी भी चुनाव में 30 से ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब नहीं हुई है। इस बार, कांग्रेस ने 61 उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें से 56 सीटों पर भाजपा और जद(यू) से उसका बीच सीधा मुकाबला है– ये सीटें मुख्यतरू एनडीए के नियंत्रण में हैं। भाजपा मुख्यतरू शहरी और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में सक्रिय है, जहां जनसंख्या लगभग 30प्रतिशत है। ऐतिहासिक और सामाजिक कारकों के कारण, उच्च जातियों का प्रभुत्व पिछड़े और हाशिए पर पड़े समुदायों तक उसकी पहुंच को सीमित करता है, जो बिहार जैसे राज्य में एक बड़ी ओबीसी और दलित आबादी के लिए एक चुनौती हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के कई नेता बिहार में प्रचार कर रहे हैं। एनडीए नीतीश कुमार के कल्याणकारी अनुभवों पर जोर देता है, जबकि इंडिया ब्लॉक युवा नेतृत्व और मतदाता भागीदारी बढ़ाने पर जोर देता है। युवा वोट और कुल मतदान प्रतिशत बिहार के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वोटवाइब के नवीनतम सर्वेक्षण में कड़ी टक्कर दिखाई दे रही है, जिसमें महागठबंधन को 34.7प्रतिशत और एनडीए को 34.4प्रतिशत समर्थन प्राप्त है। जन सुराज को 12.3प्रतिशत समर्थन प्राप्त है, जबकि 8.4प्रतिशत लोगों को त्रिशंकु विधानसभा की आशंका है। यह चुनाव महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके परिणाम का स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई नेताओं के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। अगर एनडीए 2025 के बिहार चुनावों में फिर से जीतता है, तो इससे भाजपा को 2026 के कई विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त बल मिलेगा।

आसान नहीं बिहार का मैदान भाजपा के लिए

अनिल

महागठबंधन की पार्टियों में सीटों के बंटवारे को लेकर काफी खींच–तान रही और तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने में भी कांग्रेस ने अनावश्यक देरी की, जिसका लोगों में नकारात्मक संदेश गया। ये दोनों ही काम महागठबंधन के नेता चुनाव टेलीविजन चौनलों की रिपोर्टिंग और इन चौनलों के लिए कथित ओपिनियन पोल करने वाली एजेंसियों के अनुमानों को मानें तो बिहार में एक बार फिर भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। वैसे मामला इतना आसान नहीं है क्योंकि जो पेशेवर पत्रकार बिहार जाकर वहां स्वतंत्र

की घोषणा होने से पहले भी कर सकते थे। हालांकि मीडिया तब भी उसके खिलाफ माहौल बनाने के लिए किन्हीं और मुद्दों का सहारा लेता। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए प्रचार खत्म हो गया है और गुरुवार, 6 नवंबर को 121 सीटों पर मतदान होगा। करीब तीन हफ्ते तक चले चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यधारा के मीडिया, खासकर रूप से राजनीतिक हालात का जायजा ले रहे हैं, उनकी रिपोर्ट बताती है कि जमीनी हकीकत टीवी चौनलों की रिपोर्टिंग और सर्वे एजेंसियों के अनुमानों से बिल्कुल अलग है। पूरे चुनाव अभियान के दौरान भारतीय जनता पार्टी के लिए ढिंढोरची की भूमिका निभाने वाला मीडिया बताता रहा है कि महागठबंधन बिखराव का शिकार है और उसकी पार्टियों के बीच सीटों का बंटवारा ठीक से नहीं हो पा रहा है। चुनाव की घोषणा के बाद जब एक सप्ताह तक राहुल गांधी बिहार नहीं पहुंचे तो बताया गया कि तेजस्वी यादव से मतभेदों के चलते राहुल ने बिहार के चुनाव से अपने को अलग कर लिया है, जिसकी वजह से उनकी श्वोटर अधिकार यात्राश के दौरान लोगों में महागठबंधन को लेकर जो उत्साह था, वह अब नदारद है। जब कांग्रेस की ओर से तेजस्वी को महागठबंधन की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री पद का और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया गया तो सवाल खड़ा किया गया कि किसी मुस्लिम को उप मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार क्यों नहीं घोषित किया गया। यह सही है कि महागठबंधन की पार्टियों में सीटों के बंटवारे को लेकर काफी खींच–तान रही और तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने में भी कांग्रेस ने अनावश्यक देरी की, जिसका लोगों में नकारात्मक संदेश गया। ये दोनों ही काम महागठबंधन के नेता चुनाव की घोषणा होने से पहले भी कर सकते थे। हालांकि मीडिया तब भी उसके खिलाफ माहौल बनाने के लिए किन्हीं और मुद्दों का सहारा लेता। बहरहाल मीडिया ने महागठबंधन के खिलाफ माहौल बनाने में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी, बल्कि ऐसा करने में उसने एनडीए की पार्टियों के प्रवक्ताओं और अफवाहें फैलाने के लिए कुख्यात भाजपा के आईटी सेल को भी पीछे छोड़ दिया, लेकिन अभी तक मीडिया में एनडीए की पार्टियों में मचे घमासान को लेकर कोई चर्चा देखने–सुनने को नहीं मिलीय और दूसरे दौर का मतदान खत्म होने तक भी नहीं मिलेगी। हकीकत यह है कि महागठबंधन में मची खींच–तान तो देर से ही सही, मगर खत्म हो गई और उसकी सभी पार्टियां एकजुट होकर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि दूसरी ओर एनडीए के घटक दलों के बीच जैसे–तैसे सीटों का बंटवारा हो जाने के बाद अभी तक परस्पर अविश्वास बना हुआ है। वे पार्टियां और उनके नेता अब चुनाव मैदान में भी एक–दूसरे को निबटाने और पुराना हिसाब चुकता करने में लगे हुए हैं। हिंदी भाषी राज्यों में बिहार ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहां भाजपा आज तक अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी है। इस बार वह हर हाल में अपनी यह हसरत पूरी करना चाहती है, इसलिए उसकी पूरी कोशिश है कि जनता दल (यू) किसी भी सूरत में 50 से ज्यादा सीटें न जीत पाए। पिछली बार 2020 में भी भाजपा 74 सीटों के साथ एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी थी, जबकि जनता दल (यू) को महज 43 सीटें ही मिली थी। इसके बावजूद भाजपा को मजबूरी में नीतीश को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा था। इस बार वह हर हाल में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से दूर रखना चाहती है। यह बात नीतीश कुमार भी अच्छी तरह समझ रहे हैं। इसीलिए वे चुनाव प्रचार में भाजपा से लगभग दूरी बनाए हुए हैं और सिर्फ अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए ही प्रचार कर रहे हैं। यही नहीं, उनकी पार्टी चिराग पासवान को सबक सिखाने के इंतजाम में भी जुटी है। पिछली बार चिराग ने एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ा था कई सीटों पर जनता दल (यू) को हराने में अहम भूमिका निभाई थी। माना जाता है कि ऐसा उन्होंने भाजपा के कहने पर किया था, सो नीतीश कुमार इस बार चिराग की पार्टी को ज्यादा से ज्यादा सीटों पर हरवा कर पुराना हिसाब चुकता करना चाहते हैं। उधर चिराग पासवान भी यही काम नीतीश कुमार और जीतनराम मांझी के साथ करने में जुटे हैं। इस सबके अलावा भाजपा और जनता दल (यू) में आंतरिक कलह भी कम नहीं है। भाजपा में कई पुराने नेता सम्राट चौधरी को हारते हुए देखना चाह रहे हैं, तो वहीं जेडीयू में ललन सिंह और संजय झा की चाहत है कि विजय चौधरी और विजेंद्र यादव किसी सूरत में जीत न पाएं। मगर इन सब बातों को भाजपा के प्रचारक की भूमिका निभा रहा मीडिया देखते–समझते हुए भी नजरंदाज कर रहा है। इस पूरे सूरत–ए–हाल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अच्छी तरह समझ रहे हैं, इसलिए हर बार की तरह उन्होंने इस बार खुद को दांव पर नहीं लगाया है। उनके चुनावी भाषणों से श्यह मोदी की गारंटी हैश जैसे जुमले नदारद हैं। अलबत्ता स्तरहीन कटाक्षों और संवादों के मामले में वे अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर हमेशा की तरह नया रिकॉर्ड बनाते दिख रहे हैं। ऐसा करने में अमित शाह, योगी आदित्यनाथ सहित तमाम नेता भी पीछे नहीं हैं। चुनाव आयोग हमेशा की तरह एनडीए के सहयोगी दल की भूमिका में काम करते हुए मूकदर्शक बना हुआ है। हिंदी भाषी राज्यों में बिहार ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे ज्यादा असर नहीं दिखा पाते हैं। सिर्फ 2014 का लोकसभा चुनाव अपवाद था, जिसमें भाजपा ने अकेले दम पर अभूतपूर्व जीत हासिल की थी। हालांकि उसकी भी अहम वजह यह थी कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद की पार्टियां अलग–अलग चुनाव लड़ी थीं। फिर भी भाजपा को वह जीत सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की बदौलत नहीं बल्कि नरेन्द्र मोदी द्वारा पेश किए गए विकास के गुजरात मॉडल और राष्ट्रवाद के मुद्दे पर मिली थी। उस चुनाव के डेढ़ साल बाद ही बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे, जिसमें लालू प्रसाद और नीतीश कुमार मिल कर लड़े। कांग्रेस भी उनके गठबंधन में शरीक थी। भाजपा के चुनाव अभियान की कमान पार्टी के अध्यक्ष बन चुके ।

विकास का केरल मॉडल,द रियल केरल स्टोरी

दो दिन पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बड़े ऐलान के साथ पूरे पन्ने के विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित हुए। ऐलान यह था कि केरल भारत का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जो गरीबी से पूरी तरह मुक्त हो गया है। 1 नवंबर शनिवार को राज्य के स्थापना दिवस के मौके पर बाकायदा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर सरकार ने इस खास उपलब्धि का जिक्र जनता के बीच किया। केरल में देश की एकमात्र वामपंथी सरकार है और इस सरकार ने अपने यहां घोर गरीबी को पूरी तरह खत्म करने का दावा किया है। केरल ने 64 हजार लोगों को बेहद गरीबी से बाहर निकालकर ये उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, विपक्ष ने इस घोषणा को धोखा बताया है और विधानसभा के विशेष सत्र बुलाने की भी आलोचना की।

विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन ने कहा कि यह घोषणा एक श्कपटपूर्ण घोषणाश है और सभी अखबारों में इसके विज्ञापन दिए गए हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि यह निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया गया था और यह कोई गुप्त मामला नहीं था। विशेष सत्र इसलिए बुलाया गया, क्योंकि विधानसभा द्वारा जनता को इस उपलब्धि के बारे में सूचित करना उचित समझा गया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि, श्सरकार केवल उन कार्यों की बात करती है जो पूरे हो चुके हैं। जनादेश का आधार किए गए वादों को पूरा करना है, जो हासिल हुआ है उसे बनाए रखने के लिए कदम उठाए जाते रहेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो लोग अत्यधिक गरीबी से उबर चुके हैं, वे फिर से गरीबी में न फंसें। केरल देश के सामने एक नया मॉडल पेश कर रहा है।श उन्होंने आगे कहा कि यह उपलब्धि देश के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श होगी। मुख्यमंत्री ने अपने आधे घंटे के संबोधन में कहा, श्यह अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।श वहीं अध्यक्ष ए. एन. शमसीर ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी सदस्यों को बधाई दी और कहा कि केरल समाज के सभी वर्गों को संसाधन वितरित करके सामाजिक प्रगति–उन्मुख विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विधानसभा अध्यक्ष के बयान में समाज के सभी वर्गों के बीच संसाधनों का वितरण और समाज की प्रगति का जो जिक्र किया गया है, वह आज के दौर में खास गौर फरमाने लायक बात है। क्योंकि देश को अब इस बात पर खुश होने कहा जाता है कि गिनती के उद्योगपति दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आ गए हैं। आर्थिक हैसियत में अंतर की खाई देश में बढ़ती जा रही है, लेकिन इस पर राज्य सरकारों या केंद्र सरकार ने कोई गंभीर चिंतन किया हो, उसके कारण समझने की कोशिश की हो, ऐसा याद नहीं पड़ता। गरीबों के और गरीब होने की सबसे बड़ी वजह यही है कि संसाधनों पर कुछ लोगों का कब्जा हो गया है, जिससे उन्हें अपनी दौलत को बढ़ाने के पर्याप्त मौके मिल रहे हैं। सरकार निजी क्षेत्रों की भागीदारी वाले विकास मॉडल के नाम पर कुछ उद्योगपतियों को वो सारे संसाधन सौंप चुकी है, जिनका सही इस्तेमाल करना असल में सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार ने अपनी इस जिम्मेदारी को पूरा नहीं किया, तो गरीबों को इसका नुकसान उठाना पड़ा। उनके पास अच्छी शिक्षा, सरकारी नौकरी, अच्छे स्वास्थ्य, मनोरंजन, तरक्की के जो मौके होने चाहिए थे, वो बड़ी चालाकी से छीन लिए गए। फिर इस गरीबी को कई तरह से परिभाषित कर लोगों को उलझाया गया, ताकि उनका ध्यान इस बात पर जाए ही नहीं कि गरीब परिवार में पैदा होना, गरीबी में जीवन गुजारना और गरीब बने रहकर ही मर जाना, उनकी नीयती नहीं थी, बल्कि धन्ना सेठों की तिजोरी भरने के लिए ऐसे हालात बना दिए गए। गरीबों का गुस्सा फूटे नहीं इसके लिए कभी गैर सरकारी संगठनों को प्रेशर कुकर की सीटी की तरह इस्तेमाल किया गया, कभी पांच किलो मुफ्त अनाज या दो हजार रुपए की सम्मान राशि जैसे जुमलों में उस गुस्से को कृतज्ञता में तब्दील कर दिया गया। गांव–देहातों में बहुत से लोग इस बात की खैर मनाते हैं कि मोदी उन्हें भूखा नहीं मरने दे रहे, बल्कि पांच किलो अनाज दे रहे हैं। इस एहसान का एहसास होने की जगह कायदे से सवाल ये होना चाहिए था कि 80 करोड़ लोगों के लिए ऐसा रोजगार क्यों नहीं है कि वे महज पांच किलो अनाज के मोहताज न रहें। खुद इतनी आजीविका कमा सकें कि पौष्टिक भोजन की व्यवस्था खुद कर सकें। सरकार से ऐसे ही सवाल अगर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, यातायात, सुरक्षित जीवन आदि को लेकर हों, तो उन्हें काम करने पर मजबूर होना ही पड़ेगा।बहरहाल, मौजूदा परिदृश्य में संभावनाएं कम हैं कि सरकार ऐसे सवालों को उठने देगी या उनके जवाब देगी। ऐसे में केरल से आई इस खबर का स्वागत होना चाहिए। बेशक विपक्ष आपत्ति उठा रहा है, जो उसका लोकतांत्रिक हक है। हालांकि विपक्ष को भी अपनी आपत्तियों को बिंदुवार सामने रखकर बताना चाहिए कि वह किस आधार पर केरल सरकार के दावे को गलत बता रही है। गौरतलब है कि 2021 के चुनाव के बाद पहली कैबिनेट बैठक में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन का निर्णय लिया गया था। इसके लिए चार साल तक योजनाबद्ध तरीके से काम हुआ। जमीनी सर्वेक्षण,

मोबाइल ऐप डेटा संग्रह आदि के साथ कठोर, बहु–चरणीय प्रक्रिया के बाद, 1,032 स्थानीय निकायों के 64,006 परिवारों के 1,03,099 व्यक्तियों की पहचान अत्यंत गरीब के रूप में की गई। भोजन, स्वास्थ्य, आवास और आय में कठिनाई के आधार पर गरीबी का निर्धारण किया गया। स्वास्थ्य, आवास और आजीविका के लिए योजनाबद्ध तरीके से राशि आबंटित की गई। 21,263 लोगों को आवश्यक दस्तावेज और सेवाएं (राशन कार्ड, आधार, बीमा, बैंक खाते, आदि) प्रदान की गईं। 20,648 परिवारों को खाद्य किट और भोजन की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित की गई। 4,394 परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान की गई। 35,041 परिवारों को रोजगार गारंटी योजना में शामिल किया गया और अत्यधिक गरीबी उन्मूलन पर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। इस तरह एक बड़ा लक्ष्य हासिल किया गया। केरल की यही सच्ची कहानी है और यही लोकतंत्र में विकास का सही मॉडल भी है। वैसे याद रखना होगा कि केरल ने 1991 में पूर्ण साक्षरता हासिल कर ली थी, तब देश में 52.2 प्रतिशत लोग साक्षर थे। इस साल केरल ने पूर्ण डिजिटल साक्षरता भी हासिल कर ली है, इस राज्य में हर घर तक बिजली पहुंच चुकी है। अब गरीबी मिटाने में भी उसने नया रिकॉर्ड बना दिया।

पवित्र सरयू में कार्तिक पूर्णिमा का स्नान जारी, लाखों लोग लगाएंगे डुबकी

लखनऊ, (संवाददाता)। कार्तिक पूर्णिमा पर रामनगरी की आस्था शिखर को स्पर्श करती नजर आई। लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में डुबकी लगाई। यह सिलसिला भोर से ही शुरू हुआ तो पौ फटने के साथ यह और प्रगाढ़ होता गया। सरयू के स्नान घाट से प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाले मार्ग श्रद्धालुओं से पटे हुए हैं। 30 अक्टूबर को चौदह कोसी परिक्रमा के साथ आरंभ हुए कार्तिक पूर्णिमा मेले के अंतिम पर्व पर स्नान दान व दर्शन–पूजन के लिए पूर्व संध्या से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पूर्णिमा स्नान को तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालुओं का रेला सरयू के घाटों पर जुटने लगा। सरयू के समानांतर ही सरयू के घाटों पर आस्था की ध्‍ाारा भी प्रवाहित होती दिखी। कोहरे में अल सुबह सूर्यदेव भले ही देर से चमके, उनसे पहले आस्था का सूर्य जरूर चमक रहा था। सुबह की ठंडक भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा पाई। श्रद्धालुओं ने पावन सलिला में दुबकी लगाई और सरयू पूजन–अर्थन के बाद गो दान की परंपरा का निर्वहन कर पुग्य लाभ अर्जित किया। पौराणिक पीठ नागेश्वरनाथ में श्रद्धालुओं ने यथा शक्ति और भक्तिभाव से भोले बाबा का अभिषेक किया। यहां लंबी कतार लगी रही। नगरी के आराध्य भगवान राम और उनके प्रिय दूत हनुमंत लला के दरबार बजरंगबली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी, वैष्णव परंपरा की आस्था के केंद्र में रहने वाले कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि आदि मंदिर पर सुबह से दर्शनार्थियों की कतार लगी हुई है। डायवर्जन लागू हो गया था। यह व्यवस्था मेले की समाप्ति तक जारी रहेगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुगमता को देखते हुए

कई मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर वैकल्पिक मार्ग तय किए हैं। आवश्यक सेवाएं और एम्बुलेंस वाहनों पर प्रतिबंध लागू नहीं रहेगा। कार्तिक पूर्णिमा पर सरयू नदी में स्नान के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को पेयजल, शौचालय, सफाई और स्नान के बाद कपड़े बदलने जैसी सुविधाएं सुलभ कराने की तैयारी नगर निगम ने पूरी कर ली है। घाटों पर नौ स्थायी चेंजिंग रूम, 63 केबिन व 25 टेंट के अस्थायी चेंजिंग रूम तैयार किए गए हैं, ताकि महिला श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर ही 250 बायो टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निरंतर नजर बनाए रखने की हिदायत दी। मंगलवार को सुबह सात बजे महापौर व नगर आयुक्त ने कार्तिक पूर्णिमा मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, महाप्रबंधक जलकल सौरभ श्रीवास्तव व नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ल भी थे। उन्होंने राम की पैड़ी, सरयू घाट, नागेश्वरनाथ मंदिर, झुनकी घाट, ऋणमोचन घाट, पापमोचन घाट, संत तुलसी दास घाट, चौधरी चरण सिंह घाट व आरती घाट की साफ–सफाई, प्रकाश, शौचालय, कपड़े बदलने के टेंट और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था निरंतर बनी रहनी चाहिए। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि घाटों की सफाई के लिए तीन शिफ्ट में 250 सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पेयजल सुविधा के लिए 25 स्थानों पर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा सभी स्टैंड पोस्ट, वाटर कियाक्स व हैंडपंप क्रियाशील हैं। घाटों पर प्रकाश की व्यवस्था मुकम्मल कर दी गई है। वाहन पार्किंग स्थलों पर भी प्रकाश की व्यवस्था की गई है। नगर निगम ने कार्तिक पूर्णिमा स्नान मेला क्षेत्र को तीन जोन में विभाजित कर सुपर नोडल अधिकारी व नोडल अधिकारी नामित कर व्यवस्था के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने सरयू के पक्का घाट, कच्चा घाट, आरती घाट, श्रीरामजन्मभूमि, हनुमानगढ़ी व कनक भवन के सामने और लता चौक से टेढ़ी बाजार तक के क्षेत्र का सुपर नोडल अधिकारी अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ व नोडल अधिकारी सहायक नगर आयुक्त अशोक गुप्त को बनाया है।

बहराइच में हादसा - ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच जिले के बहराइच–लखनऊ राजमार्ग पर बुधवार सुबह दर्दनाक हादसा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मदन कोठी चौराहे पर फखरपुर की तरफ से आ रही गिट्टी भरा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया। अनियंत्रित होने के बाद वह सामने से आ रही बाइक की तरफ घूम गया। इस चपेट में चार लोगों की मौत हो गई। इसमें से एक वर्ष का बच्चा भी है। सभी की मौके पर मौत हो गई। ऐसा माना जा रहा है कि सभी की मौत पहिए के नीचे आ जाने के वजह से हुई है। ट्रेलर का ड्राइवर गाड़ी खड़ा करके भाग गया। शवों को पोस्टमॉर्टम हाउस भेजवा दिया गया है। अभी तक मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। बुधवार सुबह करीब 6 बजे लखनऊ–बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मदन कोठी चौराहे पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। फखरपुर की ओर से आ रहा गिट्टी से भरा ट्रेलर कोहरे या चालक को झपकी आने के कारण नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे खाई में जा गिरा। इसी दौरान सामने से गुजर रही एक बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। बाइक पर एक महिला, एक बच्चा (उम्र करीब 1 वर्ष) और दो पुरुष सवार थे। हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। थानाध्यक्ष ब्रह्मा गोड़ ने बताया कि बाइक विजय कुमार सिंह पुत्र रामकुमार, निवासी लालुही (बहराइच) के नाम दर्ज है। उनके मोबाइल नंबर 9450750642 पर संपर्क किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा है। ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला मोर्चरी भिजवा दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रैफिक सुचारू है और शांति व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। मृतकों की पहचान और उनके परिजनों की खोज की जा रही है।

आरपीएफ की अभिरक्षा में युवक की मौत से हड़कंप

लखनऊ, (संवाददाता)। चोरी के आरोप में पकड़े गए एक युवक की आरपीएफ की अभिरक्षा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। यह घटना मोतीगंज थाना क्षेत्र के किनकी गांव की है। मृतक की पहचान संजय सोनकर (30) निवासी किनकी के रूप में हुई है। मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों और ग्रामीणों ने आरपीएफ पर पिटाई का आरोप लगाया है। वहीं, आरपीएफ का कहना है कि युवक को चोरी के मामले में पकड़ा गया था और रास्ते में उसकी तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई राजू सोनकर ने बताया कि मंगलवार की सुबह आरपीएफ के कुछ जवान गांव पहुंचे और उसके भाई संजय को पकड़कर अपने साथ ले गए। आरोप है कि बिना किसी ठोस सबूत के उस पर रेल संपत्ति चोरी का झूठा आरोप लगाया गया। राजू ने बताया कि शाम को अचानक खबर मिली कि संजय की मौत हो गई है। उसने कहा कि "आरपीएफ ने मेरे भाई को बहुत मारा–पीटा। उनकी प्रताड़ना से ही उसकी जान गई। उसे झूठे केस में फंसाया गया था।" आरपीएफ इंस्पेक्टर अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि संजय को चोरी के मामले में पकड़ा गया था। उसके पास से चोरी का सामान बरामद भी हुआ था। उन्होंने कहा, "जब संजय को

आरपीएफ पोस्ट लाया जा रहा था, उसी दौरान उसने पेट दर्द की शिकायत की। उसे तत्काल गोंडा राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।" उन्होंने यह भी बताया कि मामले की पूरी जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। संजय की मौत की खबर मिलते ही उसकी पत्नी गीता देवी का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। सदमे में उनकी तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आरपीएफ के जवान अक्सर गांव में आकर लोगों को डराते–धमकाते रहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

अयोध्या में रामलला के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को लेकर काशी जा रही बस ट्रक से टकराई

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या में रामलला दर्शन कर काशी जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस सोनबरसा गांव के पास ट्रक से पीछे से टकरा गई। हादसे में गुजरात के करीब 20 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदैंया में भर्ती कराया गया, जहां उपचार चल रहा है, इसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गुजरात के वापी और बलसाड क्षेत्र से दो बसें अयोध्या–बनारस दर्शन के लिए निकली थीं। लोहरामऊ ओवरब्रिज में गड्ढे होने के बाद इस पर डायवर्जन होने के कारण बसें पखरौली मार्ग से होकर जा रही थीं। इसी दौरान सोनबरसा के पास एक बस पीछे से ट्रक में जा घुसी। हादसे में रोमा देवी (60) के सिर में गंभीर चोट आई जबकि योगेश (23) की एक उंगली कट गई। अन्य घायलों में हीरा भाई (35), जशोदा (65), आभा बेन (54), मोनी (23), राधिका (43), सरस्वती बेन (54), सुशीला बेन (54), रिंकी (16), सांभवी (23), विजय भाई (34), और सोमेन शाह (45) समेत अन्य शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सक अवनीश कांत तिवारी और फार्मासिस्ट बृजेश पांडेय की देखरेख में इलाज जारी है। देहात कोतवाल अखंडदेव सिंह ने बताया कि ट्रक चालक की तलाश की जा रही है और मामले की जांच की जा रही है।

काशी का दक्षिण द्वार शूलटंकेश्वर मंदिर दीपों की आभा से जगमगाया

लखनऊ, (संवाददाता)। देव दीपावली के पावन अवसर पर इस वर्ष काशी का दक्षिण द्वार अद्भुत आध्यात्मिक आलोक से जगमगा उठा। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण पर्यटन योजना के अंतर्गत चयनित वाराणसी जनपद के माधोपुर गांव में पारंपरिक लोक सहभागिता और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ देव दीपावली का पर्व भव्य रूप में मनाया गया। गंगा तट पर स्थित ऐतिहासिक शूलटंकेश्वर मंदिर, जिसे काशी का दक्षिण द्वार कहा जाता है, हजारों दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठा।देव दीपावली की पूर्व संध्या पर मंगलवार शाम चार बजे शूलटंकेश्वर गंगा घाट पर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि शूलटंकेश्वर मंदिर का उल्लेख स्कंद पुराण के काशी खंड में भी मिलता है। उन्होंने कहा कि देव दीपावली का यह आयोजन उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के तत्वावधान में किया गया, जिसमें ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर पूरे क्षेत्र को मिट्टी के दीयों की अलौकिक आभा से प्रकाशित किया। पूरा दक्षिण काशी दीपों के महासागर में स्नान करता प्रतीत हुआ।मंत्री ने बताया कि माधोपुर गांव में आयोजित यह दीप पर्व न केवल श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह ग्रामीण पर्यटन, लोक संस्कृति, पारंपरिक कला और सामुदायिक सहभागिता का भी जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। ग्रामीण पर्यटन योजना अंतर्गत चयनित अन्य गांव कृ चंद्रावती (जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर चंद्रप्रभु की जन्मस्थली), कैथी (मार्कण्डेय महादेव मंदिर), उमराह और रहती (त्रिलोचन महादेव मंदिर) कृ में भी इसी क्रम में देव दीपावली पर्व का आयोजन किया जा रहा है।जयवीर सिंह ने कहा कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य है कि देव दीपावली जैसे आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए,।

संक्षिप्त खबरें

15 नवम्बर तक कराएं लेबर कार्ड का नवीनीकरण

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना तथा अटल आवासीय विद्यालय योजना जैसी योजनाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।इन सभी योजनाओं का लाभ केवल उन्हीं श्रमिकों को दिया जाएगा, जो बोर्ड में विधिवत पंजीकृत हैं और जिनका पंजीयन नियमानुसार नवीनीकृत किया गया है। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे निर्माण श्रमिक, जिनका लेबर कार्ड या श्रमिक पंजीकरण कार्ड पिछले चार वर्ष या उससे अधिक समय से नवीनीकृत नहीं हुआ है, उन्हें 15 नवम्बर 2025 के बाद निष्क्रिय सूची में डाल दिया जाएगा।निष्क्रिय सूची में शामिल श्रमिकों की गणना पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के रूप में नहीं की जाएगी और वे किसी भी कल्याणकारी योजना के लाभ से वंचित रह जाएंगे। इसलिए सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की गई है कि वे शीघ्र अपने लेबर कार्ड का नवीनीकरण कराएं।श्रमिक अपने लेबर कार्ड का नवीनीकरण अपने नजदीकी ई–डिस्ट्रिक्ट सेंटर, ई–गवर्नेंस सेंटर, अथवा बोर्ड की वेबसाइट ू.नचइवबू.पद के माध्यम से कर सकते हैं। बोर्ड की सभी योजनाओं, पंजीकरण प्रक्रिया और नवीनीकरण से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी इसी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मत्स्य पालकों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध – डॉ. संजय निषाद

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा है कि राज्य सरकार मत्स्य पालकों के सर्वांगीण विकास और प्रदेश को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए अधिक से अधिक लाभार्थियों को इससे जोड़ा जाए।डॉ. निषाद ने मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कहा कि मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाए ताकि मत्स्य उत्पादन में वृद्धि हो और उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक हानि न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत चयनित परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सेक्टर की योजनाओं के तहत उपलब्ध बजट राशि के सापेक्ष शीघ्र लाभार्थियों का चयन कर धनराशि का व्यय सुनिश्चित किया जाए। अनुपयुक्त जल क्षेत्र जैसे वेटलैंड, खारे पानी वाले क्षेत्र, जलाशय और नदियों को मत्स्य विकास कार्यक्रम से आच्छादित किया जाए ताकि प्रदेश के मछुआरे और मत्स्य पालक आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें ।

फुटबॉल में दिल्ली और वॉलीबॉल में इज्जतनगर की टीम जीती

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में मंगलवार से आईसीएआर अंतर क्षेत्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का धमाकेदार आगाज हुआ। फुटबॉल में जहां आईसीएआर मुख्यालय नई दिल्ली ने एनईएच बारापानी को 3–0 से हराया, जबकि वॉलीबॉल में आईवीआरआई इज्जतनगर ने सीपीआरआई शिमला को 2–0 से हराया। प्रतियोगिता के पहले दिन कबड्डी में आईआईडब्ल्यूबीआर करनाल ने आईआईएचआर बंगलूरू और सीआरआरआई कटक ने सीएसडब्ल्यूबीआर करनाल को मात दी। शूटिंग में सीआरआरआई कटक ने सीएजआरआई जोधपुर और आईएआईआई दिल्ली ने एनडीआरआई करनाल को 2–0 के समान अंतर से पराजित किया। प्रतियोगिता के तहत क्रिकेट में सीआरआरआई कटक ने एनडीआरआई करनाल को 20 रन और आईएआरआई नई दिल्ली ने आईजीएफआरआई झांसी को 44 रन से हराया। इसके अलावा टेबल टेनिस के तहत हुए मुकाबलों में आईआईएसडब्ल्यूसी देहरादून, आईएसआरआई नई दिल्ली, आईआईएसडब्ल्यूसी देहरादून और एनबीएसएसएलयूपी नागपुर ने जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में बास्केटबॉल के पहले मुकाबले में आईसीएआर मुख्यालय ने सीएजेडआरआई जोधपुर को पराजित किया। इससे पहले खेलों का शुभारंभ डीके ठाकुर (आईपीएस, डीजी–एसएसबी) ने किया। इस आयोजन में भाग लेने आए 58 कृषि अनुसंधान संस्थान के 670 खिलाड़ियों ने मुख्य अतिथि के समक्ष मार्चपास्ट किया। इस कड़ी में खिलाड़ियों का शपथ ग्रहण, ज्योति प्रज्ज्वलन और खिलाड़ियों की ओर से मशाल रिले का आयोजन किया गया।

राइस मिल उद्योग को नई ऊर्जा - नॉन-हाइब्रिड धान की कुटाई पर 1 प्रतिशत रिकवरी छूट

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार ने राइस मिल उद्योग को बढ़ावा देने और नॉन–हाइब्रिड धान की कुटाई को प्रोत्साहित करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। अब नॉन–हाइब्रिड धान की कुटाई पर रिकवरी प्रतिशत में 1 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिसकी धनराशि की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार अपने बजट से करेगी। इसके लिए 166.51 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। यह पहल न केवल राइस मिल उद्योग को सुदृढ़ करेगी, बल्कि करीब 2 लाख लोगों के रोजगार को स्थायित्व देगी और 13 से 15 लाख किसानों को सीधा लाभ पहुंचाएगी।प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले कई चावल मिलें नॉन–हाइब्रिड धान की कम रिकवरी के कारण सरकारी क्रय केंद्रों से धान की कुटाई में रुचि नहीं लेती थीं। अब सरकार की इस छूट से मिलों को राहत मिलेगी और वे अपनी मशीनों के आधुनिकीकरण में निवेश कर सकेंगी। इससे प्रदेश में धान कुटाई की अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी और उद्योग को नई दिशा मिलेगी।वित्त मंत्री ने बताया कि पूरे देश में धान से चावल निर्मित करने हेतु 67 प्रतिशत रिकवरी निध्‍ाारित है। राज्य सरकार ने 2018–19 से हाइब्रिड धान की कुटाई में कम रिकवरी की भरपाई के लिए 3 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति दी थी। पिछले वर्ष इस मद में 94.79 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। अब नॉन–हाइब्रिड ध्‍ाान को भी इस व्यवस्था में शामिल कर लिया गया है, जिससे प्रदेश की राइस मिलों के अस्तित्व को मजबूती मिलेगी।उन्होंने कहा कि इस कदम से राइस मिलों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे किसानों द्वारा लाए गए किसी भी प्रकार के धान की खरीद सरकारी केंद्रों पर संभव होगी। इससे देशी धान की प्रजातियों को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, सीएमआर (ब्नेजवउ डपससमक त्पबम) की अग्रिम लॉट के सापेक्ष धान देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी, जिससे अप्रैल तक ही केन्द्रीय पूल में सीएमआर का 100 प्रतिशत सम्प्रदान संभव हो सकेगा।खन्ना ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के लिए प्रस्तावित 4000 धान क्रय केंद्रों के सापेक्ष अब 4100 केंद्र संचालित हैं ।

उत्तर प्रदेश में अक्टूबर माह में राजस्व संग्रह में बढ़ोतरी, पिछले वर्ष की तुलना में 636 करोड़ रुपये अधिक प्राप्त

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर सशक्त दिशा में अग्रसर है। वित्तीय

वर्ष 2025–26 के अक्टूबर माह में प्रदेश के प्रमुख कर एवं करेत्तर राजस्व मदों से कुल 17,747.06 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2024–25 के इसी माह में 17,111 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। इस प्रकार राज्य को गत वर्ष की तुलना में 636.06 करोड़ रुपये अध्‍िाक राजस्व प्राप्त हुआ है।वित्त मंत्री ने कहा कि कर राजस्व वाली मदों के अंतर्गत अक्टूबर तक 1,22,761.33 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो इस वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्य का 74.4 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि जीएसटी के अंतर्गत अक्टूबर 2025 में 6,830.96 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि अक्टूबर 2024 में यह 6,799.27 करोड़ रुपये था। वहीं वैट से 2,401.82 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 230 करोड़ रुपये अधिक है।आबकारी मद में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस मद से अक्टूबर 2025 में 4,508.31 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि अक्टूबर 2024 में यह 3,767.72 करोड़ रुपये था। इस प्रकार इस मद में 740.59 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 92 प्रतिशत है।स्टाम्प और निबंधन के तहत अक्टूबर 2025 में 2,287.27 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम है, वहीं परिवहन विभाग ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 1,418.62 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष 1,074.76 करोड़ रुपये था। भू–तत्व एवं खनिकर्म विभाग को अक्टूबर 2025 में 300.08 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।सुरेश खन्ना ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में अक्टूबर तक मुख्य कर राजस्व के तहत 1,22,761.33 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जो 1,64,977 करोड़ रुपये के लक्ष्य का 74.4 प्रतिशत है। राज्यकर के अंतर्गत अक्टूबर तक 64,107.66 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो लक्ष्य का 64.3 प्रतिशत है। आबकारी से 30,657.63 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो 94.3 प्रतिशत है।स्टाम्प एवं निबंधन से अक्टूबर तक 18,807.85 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जो लक्ष्य का 83.5 प्रतिशत है। परिवहन विभाग ने 6,725.98 करोड़ रुपये अर्जित किए, जो लक्ष्य का 85.5 प्रतिशत है।करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू–तत्व एवं खनिकर्म से अक्टूबर तक 1,962.48 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जो निर्धारित लक्ष्य 3,000 करोड़ रुपये का 65.4 प्रतिशत है।वित्त मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों, राजस्व संग्रह प्रणाली की पारदर्शिता और विभागीय दक्षता का परिणाम है।

कार्तिक पूर्णिमा पर घाटों पर उमड़ी आस्था की भीड़, श्रद्धालुओं ने किया स्नान–दान

लखनऊ, (संवाददाता)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार सुबह से ही सरयू नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रामनगरी की आस्था शिखर को स्पर्श करती नजर आई। लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में डुबकी लगाई। यह सिलसिला भोर से ही शुरू हुआ तो पौ फटने के साथ यह और प्रगाढ़ होता गया। सरयू के स्नान घाट से प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाले मार्ग श्रद्धालुओं से पटे पड़े हैं। सरयू के समानांतर ही सरयू के घाटों पर आस्था की धारा भी प्रवाहित होती दिखी। कोहरे में अल सुबह सूर्यदेव भले ही देर से चमके, उनसे पहले आस्था का सूर्य जरूर चमक रहा था। सुबह की ठंडक भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा पाई। श्रद्धालुओं ने पावन सलिला में डुबकी लगाई और सरयू पूजन–अर्चन के बाद गो दान की परंपरा का निर्वहन कर पुग्य लाभ अर्जित किया। पौराणिक पीठ नागेश्वरनाथ में श्रद्धालुओं ने यथा शक्ति और भक्तिभाव से भोले बाबा का अभिषेक किया। यहां लंबी कतार लगी रही। नगरी के आराध्य भगवान राम और उनके प्रिय दूत हनुमंत लला के दरबार बजरंगबली की प्रध्‍ाानतम पीठ हनुमानगढ़ी, वैष्णव परंपरा की आस्था के केंद्र में रहने वाले कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि आदि मंदिर पर सुबह से दर्शनार्थियों की कतार लगी हुई है। इसी तरह गोंडा के भौरीगंज स्थित सरयू घाट, पसका त्रिमुहानी और आसपास के सभी तीर्थ स्थलों पर भक्तों ने स्नान, दान और पूजा–अर्चना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की आराधना करने से घर में सुख–समृद्धि आती है। इस दिन गंगा या सरयू स्नान, दीपदान और भगवान विष्णु–शिव की उपासना का विशेष महत्व बताया गया है। सरयू के तट पर स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन किए और प्रसाद अर्पित किया। घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में पूजा–अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख–समृद्धि की कामना की। वहीं, अंबेडकरनगर में भी कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार को पूरे जिले में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ विभिन्न घाटों पर उमड़ पड़ी। आलापुर, राजेसुल्तानपुर और टांडा क्षेत्र के सरयू नदी के घाटों पर हजारों की संख्या में लोगों ने पवित्र स्नान किया। घाटों पर 'हर हर गंगे' और 'जय सरयू मइया' के जयकारों से गूंजता माहौल श्रद्धा और आस्था की भावना को प्रकट कर रहा है। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को दान देकर पुण्य अर्जित किया। मंदिरों में तुलसी पूजन और भगवान की

मवई ब्लॉक के कसारी गांव में 'दूर-दुरिया' सामूहिक कार्यक्रम का मुख्य अतिथि रोली सिंह ने किया शुभारम्भ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के मवई ब्लॉक ग्राम पंचायत कसारी में गुरुवार को माता शक्तियों के सम्मान में पारंपरिक सामूहिक 'दूर–दुरिया' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर औसान माता के प्रांगण में भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कुल 11 समूहों की 88 सुहागिन महिलाओं ने एक साथ दूर–दुरिया गीत गाते हुए सामूहिक रूप से पूजा–अर्चना की।कार्यक्रम के आयोजक अधिवक्ता दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में

मातृशक्ति के महत्व को रेखांकित करना और परंपरागत लोक संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि "गांव की माताएं और बहनें आज भी परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं, और ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और श्रद्धा की भावना मजबूत होती है।"कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह उपस्थित रहीं।जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह (रोहित) भी शामिल हुए।कार्यक्रम के उपरांत औसान माता रानी के प्रांगण में वृक्षारोपण कर मातृशक्ति के सम्मान में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। और अपने संबोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह ने कहा कि "महिलाएं समाज की रीढ़ हैं। जब महिला सशक्त होती है तो पूरा समाज सशक्त होता है। ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति की जीवंत मिसाल हैं।"इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुमन पासवान ने भी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि "ग्रामीण अंचलों में महिलाओं की भागीदारी समाज के विकास की दिशा तय करती है। हमें अपनी संस्कृति को सहेजने की जिम्मेदारी खुद उठानी होगी।"इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार रोहित सिंह सनातनी अमर तिवारी रामकिशोर शुक्ला नारायण बक्श सिंह बब्बन सिंह श्रवण सिंह काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (क्प्म्ज) जौनपुर के तत्वावधान में आज जनपद स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के सभी 22 विकास खंडों से चयनित कुल 220 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक ब्लॉक से 10–10 मेधावी विद्यार्थियों को जनपद स्तर पर आमंत्रित किया गया था। गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता परीक्षा का संचालन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा के निर्देशन में हुआ। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति रुचि, तार्किक सोच एवं समस्या समाधान की क्षमता का विकास करना है । परीक्षा में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रश्नपत्र में तर्कशक्ति, विश्लेषणात्मक सोच तथा उच्च स्तरीय चिंतन पर आधारित प्रश्न शामिल किए गए थे। गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता परीक्षा पहले विद्यालय स्तर, ब्लॉक स्तर पर आयोजित करायी गयी स अंत में जनपद स्तर पर आयोजित की गयी स गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता परीक्षा के नोडल धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि गणित ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में गणित के व्यावहारिक एवं रचनात्मक प्रयोग की समझ को गहरा करती हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करती हैं। प्रतियोगिता शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न हुई । परिणाम घोषित होने के बाद चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

राष्ट्रीय धनगर महासभा के तत्वावधान में धनगर समाज ने अनुसूचित जाति (SC) प्रमाण पत्र न बनाए जाने के विरोध में किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को राष्ट्रीय धनगर महासभा के तत्वावधान में धनगर समाज ने अनुसूचित जाति (ै) प्रमाण पत्र न बनाए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. धनगर के नेतृत्व में हजारों धनगरों ने जिलाधिकारी कार्यालय की ओर कूच किया। प्रदर्शनकारी सबसे पहले अम्बेडकर पार्क में एकत्रित हुए, जहाँ उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद, युवा जोश के साथ श्हम ही धनगर हैंश, श्ध नगर समाज जिंदाबादश और श्मुख्यमंत्री के आदेशों का पालन करोश जैसे नारे लगाते हुए वे जिलाधिकारी कार्यालय की ओर बढ़े। राष्ट्रीय धनगर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. धनगर ने कहा कि धनगर समुदाय वर्ष 1950 से ही अनुसूचित जाति की सूची के क्रमांक 2 पर अधिसूचित है और इसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 24 अक्टूबर 2013 से लेकर 7 जुलाई 2025 तक जारी किए गए विभिन्न शासनादेशों का भी उल्लेख किया, जिनमें धनगर को अनुसूचित जाति के रूप में मान्यता दी गई है।जे.पी. धनगर ने जोर देकर कहा कि इन शासनादेशों के बावजूद तहसीलदारों द्वारा धनगर समुदाय के जाति प्रमाण पत्र नहीं बनाए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनके प्रमाण पत्र नहीं बनाए गए, तो धनगर समाज आगामी चुनावों में भाजपा को वोट नहीं देगा।इस धरना प्रदर्शन का संचालन जिलाध्यक्ष अश्वनी धनगर एडवोकेट ने किया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय प्रताप पाल, डॉ. विकास पाल, डॉ. विनोद ध नगर, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री आचार्य विजय बहादुर, विरेन्द्र नाथ धनगर एडवोकेट,आदि लोग मौजूद रहे।

गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर आज देशभर में सिख धर्म के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। जौनपुर में भी खालसा पंथ द्वारा एक विशाल शोभायात्रा ओलन्दगंज स्थिति गुरुद्वारे से निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गुरु तेग बहादुर की तपस्थली रास मंडल में संपन्न हुई। इस दौरान सड़कों पर विभिन्न समितियों ने पांच प्यारों का जोरदार स्वागत किया। गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म सन् 1666 में पटना साहिब (बिहार) में हुआ था। उन्होंने अपने अद्वितीय पराक्रम, त्याग और बलिदान से सिख समुदाय को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने ही खालसा पंथ की स्थापना की और षसत श्री अकालष का नारा दिया, जो आज सिखों की वैश्विक पहचान है। गुरु गोविंद सिंह जी ने अत्याचार, अन्याय और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। उन्होंने समाज में समानता, निष्ठा और धर्म की रक्षा का संदेश दिया। इस अवसर पर गुरुद्वारों में कीर्तन,

अरदास, लंगर सेवा और प्रभात फेरियां आयोजित की जा रही हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरुद्वारों में पहुंचकर मत्था टेक रहे हैं और गुरु के उपदेशों का स्मरण कर रहे हैं। पूरे वातावरण में भक्ति और सेवा की भावना व्याप्त है। गुरु गोविंद सिंह जी के उपदेश आज भी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं, उन्होंने कहा था कि षमनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है न्याय और सत्य के मार्ग पर चलना।षगुरु सिंह सभा केअध्यक्ष सरदार मनमोहन सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे अखण्ड साहिब पाठ समाप्त होने पर 11 बजे तक रासमंडल गुरुद्वारा के ग्रंथी ने कीर्तन किया। शोभायात्रा के रासमंडल गुरुद्वारा पहुंचने पर जत्थे ने कीर्तन अरदास किया। तत्पश्चात भंडारा का आयोजन हुआ। सभी कार्यक्रम गुरुग्रंथ साहिब की छत्रछाया में सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में हरिचरण सिंह घोड़ा मनमोहन सिंह जगजीत सिंह जग्गा, राजेंद्र खत्री , प्रभजोत सिंह जुगल,सतनाम सिंह,अमनदीप सिंह सरदार हरविंदर सिंह छाबड़ा,कमल सिंह भाटिया गुरुचरण सिंह ,प्रिंस तनेजा सतनाम सिंह एडवोकेट जसविंदर सिंह सरदार उपेंद्र सिंह बल्लू ,सरदार हरपाल सिंहआदि लोग प्रमुख रूप से सहयोग किया। इस पावन अवसर पर सभी धर्मावलंबियों ने एक–दूसरे को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं ।

संक्षिप्त खबरें

श्री संकट मोचन संगठन (ट्रस्ट) द्वारा गोमती तट पर भव्य देव दीपावली महोत्सव का सफल आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

श्री संकट मोचन संगठन (ट्रस्ट) के तत्वावधान में गोमती नदी तट (शाही पुल, गोपी घाट) पर भव्य देव दीपावली महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलन कर महोत्सव का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि "देव दीपावली हमारे धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का पर्व है। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक जागरूकता फैलाने का कार्य करते हैं।" कार्यक्रम की शुरुआत माँ गोमती की भव्य आरती से हुई। इसके उपरांत श्रद्धालुओं द्वारा गोमती तट पर दीपदान किया गया, जिससे पूरा घाट दीपों की रौशनी से आलोकित हो उठा। जल में तैरते दीपों का दृश्य अत्यंत मनमोहक रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्ति संगीत, नृत्य एवं आरती प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। अंत में भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया गया। संगठन के अध्यक्ष आदित्य चौधरी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धार्मिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और लोक परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने मुख्य अतिथि, पदाधिकारियों और उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक प्रदीप तिवारी, महामंत्री संदीप निषाद (चंदन), उपाध्यक्ष अजय नाविक, कोषाध्यक्ष सूरज निषाद, कार्यक्रम संयोजक रितेश जयसवाल , डॉक्टर कमलेश कुमार निषाद में में प्रारंभ होने सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देव दीपावली का पर्व जनपद में हर्सोल्लास के साथ मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, कार्तिक मास की पूर्णिमा को देव दीपावली बुधवार की देर रात तक देव दीपावली हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। घाटों को दीपों व विभिन्न झालरों के साथ सजाया गया। नगरी पूरी तरह से जगमगाती रहीं। वही ग्रामीण क्षेत्रों में भी हर घर मे दीपों को जला कर महिलाएं धूम धाम से देव दीपावली को मनाया। कार्तिक पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर गोपी घाट से लेकर सरोवरों व घरों पर देव दीपावली धूम धाम से मनाई गई। दीपों की रोशनी से ऐसा लग रहा था जैसे आसमान के सितारे धरती पर उतर आए हों। शाम होते ही गोमती तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठे। मां गोमती की पूजन–अर्चन किया गया। विद्वान पंडितों के वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच गोमती आरती की गई। महिला और पुरुषों ने गोमती किनारे दीपक जलाए और गंगा की

धारा को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने हर–हर गंगे का उद्‌घोष किया। देव दीपावली पर बुधवार की शाम दीपों की कतारों से जगमग शहर के गोमती घाटों को देखते ही बन रहा था। गोमती के स्थिर जल में दिख रही दीपों की रौशनी के कहने ही क्या। इस अलौकिक और अद्‌भुत नजारे को नजरों में कैद करने को लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। कतार बद्ध दीपों को देख आसमां के तारे भी जैसे सकुचा रहे हों धरा की इस आभा से। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली का पर्व उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। दीपों के जलते ही ऐसी अनुपम छंटा दिखाई दी मानो आसमान से झिलमिलाते सितारे जमीं पर उतर आए हों। श्रद्धालुओं ने गोमती की आरती उतारी। डीएम व एसपी ने कार्यक्रम में हुए शामिल जौनपुर में देव दीपावली के अवसर पर डीएम डॉ दिनेश चंद्र व पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने देव दीपावली के अवसर पर गोपी घाट पर पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होकर मां गोमती की आरती किये व दीपदान किए। वहीं कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

जहां प्रेम वही होता है ईश्वर का वास – आचार्य रविकांत शास्त्री

अयोध्या।ईश्वर का वास उन्हीं व्यकियों के यहां होता है जो व्यक्ति प्रेम से ईश्वर का स्मरण करता है। जिनके मन में छल कपट और कुटिलता होती है उनके यहाँ ईश्वर का वास नहीं होता। यह विचार तारुन विकासखंड क्षेत्र के तिवारीपुर जाना बाजार मैं डॉक्टर अंबिकेश त्रिपाठी के यहां चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान तीसरे दिन आचार्य रविकांत शास्त्री ने कही। कहां की उस समय जब पांडव की ओर से भगवान श्री कृष्ण शांति दूत बनकर हस्तिनापुर कौरव के यहां आने वाले थे कि उन्हें महज 5 गांव ही दे दिया जाए। इस बात की भनक जब दुर्योधन को लगी तो उन्होंने यह सोचा कि श्री कृष्ण भोजन के लालची हैं। इसी को लेकर उन्होंने छप्पन भोग का भजन बनवाया। जब भगवान श्री कृष्णा शांति दूत बनकर हस्तिनापुर आई और कौरव से मात्र पांच गांव मांगने की विनती किया तब दुर्योधन ने कहा सबसे पहले भोजन कर लीजिए लेकिन भगवान श्री कृष्ण ने कहा दुर्योधन आपका भोजन में कुटिलता नजर आ रही है इसलिए मैं यह भोजन नहीं कर सकता हो इससे अच्छा तो विदुर के यहां का भजन है क्योंकि उसमें प्रेम है। आचार्य शास्त्री जी का श्रोताओं से यही कहना था की प्रेम से अगर कोई भी चीज छोटी ही क्यों ना हो उसके मुकाबले कुटिलता और खेड़ा से भरी क्यों ना हीरे जेवरात हो वह सब फीकी। इस मौके पर बीच–बीच में कथा सुन रहे श्रोता भक्ति रस करुण रस का आनंद लेते रहे और कभी–कभी करुण रस के बीच कथा सुन रहे श्रोताओ के आंखों में आंसू भी आ जाते थे। इस मौके पर आचार्य शास्त्री ने उपस्थित श्रोताओं से यही कहा कि मानव जीवन क्षणिक है इसलिए हम सभी लोगों को अधिक से अधिक परोपकार भी करना चाहिए।इस मौके पर गोशाईगंज पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू, जिला समन्वयक (निर्माण)गिरजाशंकर पाण्डेय,अखिलेश पांडेय,राजेश दूबे,नरेंद्र सिंह,सीमा सिंह,बीना पांडेय,मनोज पांडेय पत्रकार,श्रीनिवास गैर राजनैतिक दलो के नेता भारी संख्या मे महिलाये मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

अब मात्र 30 रुपए में बड़े–बड़े अस्पतालों जैसा आंखों का होगा जौनपुर इलाज रुज्ञान प्रकाश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह का जिले के विकास के लिए हर क्षेत्र में सहयोग समर्पण भाव से जारी है। गुरुवार को उन्होंने जिले के सीतापुर अस्पताल में आंख के इलाज के लिए कीमती उपकरणों को मुहैया कराया है। अब मात्र 30 रुपए में दूर दराज से आये गरीबों और असहाय मरीजों को वह इलाज मिलेगा जो बड़े–बड़े अस्पतालों में मिलता है। यह संभव ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा मुहैया कराई गई कीमती मशीनों से ही संभव हो सका है। इन मशीनों की कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है। हालांकि ज्ञान प्रकाश सिंह ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई सराहनीय कार्य किए हैं। उन्होंने जर्जर सरकारी लीलावती हॉस्पिटल का भी जीर्णोद्धार कराया और कीमती मशीनें उपलब्ध कराई थी जिसका लाभ आज दूर–दराज से आने वाले मरीजों को भरपूर मिल रहा है। इसके अलावा उन्होंने जिला अस्पताल में डीलक्स शौचालय बनवाया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य करने से और इसका लाभ जब गरीबों को मिलता है तब मुझे काफी आत्म संतुष्टि मिलती है। वह हमेशा इस बात का जिक्र करते हैं कि प्रभु ने मुझे उस लायक बनाया है तो मेरा भी फर्ज बनता है कि गरीबों और बेसहारों की जितनी भी सहायता करूं हमारे लिए कम हैं। इस दौरान सीतापुर आंख अस्पताल के नेत्र सर्जन डॉ. अजय पाण्डेय ने बताया कि अब अस्पताल में अप्थाल्मिक चेयर यूनिट, ऑपरेटिंग टेबल, ई–टेस्टिंग चार्ट, ऑटोरेफ्रैक्टोमीटर विद केरेटोमीटर, ए–स्कैन मशीन, बाईपोलर कॉटरी मशीनें आ गई हैं। यह मशीनें भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा मुहैया कराया गया है। इस पुनीत कार्य के लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। सिटी मजिस्ट्रेट और सीतापुर आंख अस्पताल के कोषाध्यक्ष इंद्रनंदन सिंह ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह से मैंने जिक्र किया और उन्होंने मेरे पहल को स्वीकार करके इतना बड़ा कार्य किया, इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ नेत्र परीक्षक अमित पाण्डेय ने किया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर अयोध्या में होगा सामूहिक गायन - वेद गुप्ता

(डा अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के लिखे जाने के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।अयोध्या महानगर में भी भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर एक साथ वंदे मातरम् का गायन करेंगे।यह जानकारी नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने सर्किट हाउस सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम का विजय मंत्र था, जिसकी गूंज ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी।इस अवसर पर अयोध्या महानगर में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।महानगर में नगर निगम तिलक हॉल तथा श्रीराम जन्म भूमि

मंदिर के प्रवेश द्वार रामपथ पर सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन होगा। विधायक ने बताया कि पार्टी संगठन सामाजिक और राष्ट्रवादी कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का कार्य कर रहा है।कहा कि 15 से 17 नवंबर तक "विधायक खेल प्रतियोगिता" आयोजित की जाएगी, जिसमें कबड्डी, वालीबॉल, खो–खो और कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन होगा। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना और राष्ट्रभक्ति का संचार करना है।नगर विधायक ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता घर–घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करेंगे ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूट न जाए।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के पखवारे में 8 किलोमीटर लंबी "राष्ट्रीय एकता दौड़" का आयोजन किया जाएगा, जो पूरा बाजार के हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर गंगौली चौराहे तक जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के चार पड़ाव रहेंगेकृपहला रहेरवा, दूसरा हनुमान मंदिर बिल्हर घाट, तीसरा दुर्गापुर स्थित महाविद्यालय और अंतिम पड़ाव गंगौली चौराहा। प्रत्येक पड़ाव पर स्थानीय नागरिकों को जोड़ा जाएगा और सरदार पटेल के कृतित्व व योगदान पर चर्चा की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान अनीता सिंह, महानगर उपाध्यक्ष तिलकराम मौर्या, मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह,अमल गुप्ता उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर घाट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब किया स्नान दान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,06 नवंबर । कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को जनपद के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा रहा।, श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में आस्था की डुबकी लगाई। जौनपुर में सूरज घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई,यहां पर श्रद्धालु दूर–दूर से स्नान करने पहुंचते है।इस दौरान कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भव्य मेले का भी आयोजन हुआ। गोमती नदी किनारे प्रसिद्ध सूरज घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भारी संख्या में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, मान्यता है कि सूरज घाट पर 550 साल पहले श्री रामबाल दास महाराज को सूर्य भगवान ने दर्शन दिया था तभी से यहां पर कार्तिक पूर्णिमा का स्नान किया जाता रहा है, यहां पर श्रद्धालु दूर–दूर से स्नान करने आते है। ऐसी मान्यता है जो भी सच्चे मन से घाट पर स्नान करता है और कोई भी मन्नत मांगता है तो जरूर पूरी होती है।इस दौरान कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेले का भी आयोजन हुआ, प्राचीन गोमती नदी के सूरज घाट पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा की डुबकी लगाई,सूरज घाट पर भोर से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया,सुबह चार बजे से ही स्नान और पूजन शुरू हो गया,आस्था के इस पर्व में दर्शन पूजन के लिए ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग स्नान करने पहुंचे, भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल देखरेख के लिए लगाया गया। सूरज घाट मंदिर के महंत ने जानकारी देते हुए बताया लगभग 550 साल पहले श्री रामबाल दास जी राम उपासना के साथ गायत्री मंत्र की उपासना करते थे,गायत्री जी के आराध्य सूर्य भगवान ने दर्शन दिया था, इसलिए इस स्थान का नाम सूरज घाट पड़ा है, कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर अधिकांश तीर्थ स्थलों पर स्नान एवं दान का कार्य किया जाता है, तभी से यहां भी परंपरा शुरू हुई है,घाट के पास भगवान सूर्य का मंदिर है, लोगों का मानना है कि इस मंदिर में सबसे पहले सूर्य की रोशनी पड़ती है। ट्रस्ट की तरफ से स्टाल लगाने वाले पंडित ब्रम्हेश शुक्ल बताते है कि यहां बहुत प्राचीन मंदिर है और कार्तिक पूर्णिमा को हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां दूर दूर से आकर आस्था की डुबकी लगाते है।हम लोग भीड़ के कारण जो बच्चे बिजुर्ग बिछड़ जाते है,उनकी सहायता के लिए यह शिविर हर वर्ष लगाते है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।